Date: 25 **जुलाई** 2023

खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2023

संदर्भ:-

- हाल ही में, **खाद्य संकट पर वैश्विक** रिपोर्ट (GRFC) 2023 जारी की गई।

प्रमुख बिन्दु:–

- यह अनुमान लगाया गया है कि **2022 में दुनिया में** 691 मिलियन से 783 मिलियन लोग **भूख** से पीड़ित थे। जो 2019 **में महामारी से पहले के स्तर** की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देता है।
- इसके अलावा, **रिपोर्ट में अनुमान** लगाया गया है कि 2030 में लगभग 600 **मिलियन** लोगों को दीर्घकालिक **अल्पपोषण का सामना करना पड़ेगा**।
- इस वर्ष की रिपोर्ट उन **ऐतिहासिक क्षणों** को दर्ज करती है जिनका **मूल्यांकन पर प्रभाव पड़ा**: एक महामारी और आगामी आर्थिक संकट,रूस- यूक्रेन युद्ध ,**खाद्य और कृषि उत्पादों की बढ़ती कीमतें**।

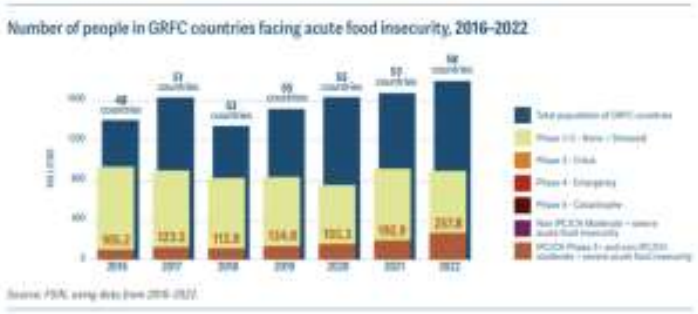

जीआरएफसी कौन जारी करता है?

- जीआरएफसी का उत्पादन **खाद्य सुरक्षा सूचना नेटवर्क द्वारा खाद्य संकट के खिलाफ** वैश्विक नेटवर्क के समर्थन में किया जाता है।
- इसमें **देशों में तीव्र खाद्य असुरक्षा के संयुक्त आम सहमति–आधारित मूल्यांकन को प्राप्त करने के लिए** 16 भागीदार शामिल हैं।

रिपोर्ट की मुख्य बाते-

- **इसमें कहा गया है कि सतत विकास लक्ष्य** 2 – **प्राप्त करने की दिशा में दुनिया बहुत दूर है। नए अनुमान इस** बात की पुष्टि करते हैं कि 2022 के लिए, **वैश्विक स्तर पर खाद्य** असुरक्षा **पर कोई प्रगति नहीं** हुई थी।
- 2019 से 2020 **तक तेज वृद्धि के बाद, मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का वैश्विक प्रसार लगातार दूसरे वर्ष** अपरिवर्तित रहा, लेकिन कोविड-19-महामारी से पहले के स्तर से बहुत ऊपर रहा।
- 2022 **में भोजन तक पर्याप्त पहुंच की कमी वाले व्यक्तियों की संख्या** 2.4 बिलियन **तक पहुंच गई**, जो 2019 **की तुलना में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले** 391 **मिलियन लोगों की वृद्धि को दर्शाता है।**
- इसके अतिरिक्त, **अल्पपोषण की व्यापकता** 2022 में वैश्विक आबादी के 9.2% तक बढ़ गई, जो 2019 में 7.9% थी।

- रिपोर्ट के सकरात्मक पहलू की बात करे तो यह दर्शाता हैं की स्टंटिंग, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में अपनी उम्र के हिसाब से बहुत छोटा होने की स्थिति, 2000 में 204.2 मिलियन से घटकर 2022 में 148.1 मिलियन हो गई है।
- चाइल्ड वेस्टिंग(**यह अपर्याप्त पोषक तत्वों के सेवन या अवशोषण के कारण होता है।**) में भी 2000 में 1 मिलियन से घटकर 2022 में 45 मिलियन हो गई है।
- अध्ययन ने अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त **बच्चों के संदर्भ** में, **2000 में 3% (33 मिलियन) से 2022 में 5.6% (37 मिलियन) तक** गैर-महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत दिया।
- इस साल की रिपोर्ट में प्रस्तुत संशोधित विश्लेषण से पता चलता है कि दुनिया भर में लगभग 2 बिलियन लोग 2020 में स्वस्थ आहार नहीं ले सकते थे उनकी स्थिति 2021 में सुधार हुआ।
- 2019 से 2021 तक दो साल की अवधि में, वैश्विक स्तर पर स्वस्थ आहार की लागत में 6.7% की वृद्धि हुई।
- इसके अलावा, रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 में लगभग 600 मिलियन लोगों को दीर्घकालिक अल्पपोषण का सामना करना पड़ेगा।

आगे का रास्ता:-

कमजोर लोगों की पहचान:

- रिपोर्ट **कमजोर जनसंख्या समूहों की पहचान करने में मदद** करती है, नीतियों और कार्यक्रमों के उचित लक्ष्यीकरण और डिजाइन के माध्यम से **निर्णय लेने** और **प्रभावी कार्रवाई** को सूचित करने के लिए साक्ष्य में योगदान करती है।

पोषण को बढ़ावा :

- **सतत** विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस पोषण मौलिक है और **इसे सरकारी नीति में केंद्रीय** होना चाहिए और नागरिक समाज और निजी क्षेत्र द्वारा समर्थित होना चाहिए।

स्वस्थ भोजन:

- इसकी कुछ सिफारिशों में **स्वस्थ आहार तक पहुंच को सक्षम करने के लिए महत्वपूर्ण के रूप में** स्वस्थ खाद्य आउटलेट का समर्थन करना शामिल है।
- **ताजा और न्यूनतम प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की** अधिक मात्रा में बेचने के लिए दुकानों को प्रोत्साहित करने के लिए **नीतिगत प्रोत्साहन** आवश्यक हैं।

स्ट्रीट फूड:

- एक और महत्वपूर्ण इनपुट स्ट्रीट फूड पर है, जो दुनिया भर में अनुमानित **5 बिलियन लोग हर दिन उपभोग करते हैं**।
- रिपोर्ट में **स्ट्रीट फूड की पोषण सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार के लिए** कई बुनियादी ढांचे और नियामक अंतराल को संबोधित करने का आह्वान किया गया है।

ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण:

- जीआरएफसी दूरस्थ खेतों और उद्यमों को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए **गुणवत्ता वाली ग्रामीण और फीडर सड़कों** सहित ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण का भी सुझाव देता है।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

- सार्वजनिक निवेशों में **वेयरहाउसिंग,** कोल्ड स्टोरेज, **भरोसेमंद** विद्युतीकरण, डिजिटल उपकरणों **तक पहुंच** और **पानी की आपूर्ति** शामिल है।

स्थानीय सरकार की भूमिका:

- यह बहुस्तरीय और बहु-हितधारक तंत्रों का लाभ उठाने में मौलिक अभिनेताओं के रूप में स्थानीय सरकारों की भूमिका को कई बार रेखांकित करता है जो सभी के लिए स्वस्थ आहार उपलब्ध और सस्ती बनाने के लिए आवश्यक नीतियों को लागू करने में प्रभावी साबित हुए हैं।

Rajiv Pandey

टेली मानस हेल्पलाइन

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / स्वास्थ्य

संदर्भ-

- हाल ही में एक आकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2022 में लॉन्च होने के बाद से राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत टेली-मानस हेल्पलाइन को 200,000 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं।

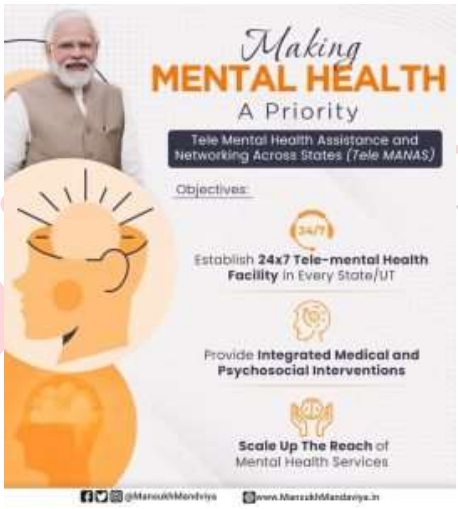

टेली मानस हेल्पलाइन के बारे में-

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक पहल के रूप जाना जाता हैं।
- यह सरकार की राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन है जो एक टोल-फ्री सेवा है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय **द्वारा केंद्रीय बजट 2022-23 में** देश में मानसिक स्वास्थ्य संकट की स्वीकृति के रूप में इसकी घोषणा की गई थी।
- 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 42 कार्यरत टेली मेंटल हेल्थ एंड नॉर्मलसी ऑग्मेंटेशन सिस्टम (एमएएनएएस) सेल के साथ, यह सेवा वर्तमान में 20 भाषाओं में प्रति दिन 1,300 से अधिक कॉल को पूरा कर रही है।

विशेषताएं:

- यह लोगों को कॉल करने वालों की गुमनामी बनाए रखते हुए अपने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के लिए समर्थन प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए एक नई पहल है, जिससे आम तौर पर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर सहायता प्राप्त किया जा सकता है।
- टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 या 1-800-891-4416 बहुभाषी प्रावधान के साथ कॉल करने वालों को सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अपनी पसंद की भाषा चुनने की अनुमति देता है।

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम-

- इसका उद्घाटन 10 अक्टूबर 2022 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर किया गया था।
- चौबीसों घंटे उपलब्ध टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (14416) पूरे देश में स्थापित किया गया है, जिससे कॉल करने वाले सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अपनी पसंद की भाषा का चयन कर सकते हैं। सेवा 1-800-91-4416 पर भी उपलब्ध है। इस कॉल को संबंधित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश स्थित टेली-मानस प्रकोष्ठ में भेजा जाएगा।
- सभी को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए सरकार की सोच के अनुरूप हर एक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में कम से कम एक टेली-मानस प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा
- यह क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से राष्ट्र के मानसिक स्वास्थ्य कार्यबल के निर्माण पर केंद्रित है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं हर घर और हर व्यक्ति तक मुफ्त में पहुंच सकें तथा समाज के सबसे कमजोर और अनछुए वर्गों को लक्षित करते हुए इस पहल की शुरुवात।

स्रोत: TH

Rajiv Pandey

राष्ट्रीय प्रसारण दिवस 2023

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / विविध

संदर्भ-

- **प्रतिवर्ष 23 जुलाई** को भारत में राष्ट्रीय प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह रेडियो प्रसारण दिवस के सम्मान के लिए मनाया जाता हैं।

प्रमुख बिन्दु-

- यह महत्वपूर्ण दिन भारत के पहले रेडियो प्रसारण की शुरुआत का प्रतीक है, जिसे "ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर)" के रूप में जाना जाता है।
- भारत में रेडियो प्रसारण सेवाओं को 1923 में ब्रिटिश शासन के दौरान बॉम्बे के रेडियो क्लब की एक पहल के रूप में पेश किया गया था।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

- भारत का पहला रेडियो प्रसारण 23 जुलाई,1927 में भारतीय प्रसारण कंपनी (IBC) के अंतर्गत बॉम्बे स्टेशन से रेडियो का प्रसारण शुरू हुआ था।
- प्रसिद्ध आकाशवाणी धुन की रचना 1930 में भारतीय यहूदी शरणार्थी वाल्टर कॉफमैन ने की थी।
- 1936 में, भारतीय राज्य प्रसारण सेवा ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) बन गई।
- आकाशवाणी 1941 में ब्रिटिश भारत में सूचना और प्रसारण विभाग के दायरे में आया।
- 1956 में, ऑल इंडिया रेडियो के लिए आधिकारिक तौर पर "आकाशवाणी" नाम अपनाया गया था, जो रवींद्रनाथ टैगोर की 1938 की कविता "आकाशवाणी" से प्रेरित था, जिसका अर्थ है "आकाश से आवाज या घोषणा"।
- हाल ही में, सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आई एंड बी) ने कानून के एक प्रावधान को लागू करने का फैसला किया है जिसके द्वारा प्रसार भारती के रेडियो नेटवर्क को **अब केवल आकाशवाणी कहा जाएगा।**
- 2023 में राष्ट्रीय प्रसारण दिवस की थीम रेडियो एंड पीस है। यह थीम शांति स्थापित करने के एक स्वतंत्र माध्यम के रूप में रेडियो की भूमिका पर केंद्रित है।

महत्वपूर्ण तथ्य-

- आकाशवाणी का महानिदेशालय **प्रसार भारती के अधीन कार्य करता है।**
- प्रसार भारती एक सांविधिक स्वायत्त निकाय **है जिसे प्रसार भारती** अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था और **यह 1997 में अस्तित्व में आया था।**
- यह **सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत देश का लोक सेवा प्रसारक है।**
- आज, आकाशवाणी दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक है।
- विदेश सेवा प्रभाग से इसके कार्यक्रम 11 भारतीय और 16 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किए जाते हैं, जो 100 से अधिक देशों तक पहुंचते हैं।
- 3 नवंबर, 2011 को यूनेस्को ने 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस के रूप में घोषित किया था, क्योंकि इसी दिन 1946 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र रेडियो की स्थापना की गई थी।
- यूनेस्को अपने रेडियो स्टेशनों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के साथ ग्लोबल लेवल पर विश्व रेडियो दिवस की गतिविधियों का को-ऑर्डिनेशन करता है।

स्रोत: IE

Rajiv Pandey